क्या हमारे पापों में मरे हुए भाइयों के लिए प्रार्थना करना
बुरा है, कि ईश्वर उन्हें स्वर्ग के राज्य में याद रखें?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

होम / होम /
क्या हमारे पापों में मरे हुए भाइयों के लिए प्रार्थना करना बुरा है, कि ईश्वर उन्हें स्वर्ग के राज्य में याद रखें?

क्या हमारे पापों में मरे हुए भाइयों के लिए प्रार्थना करना बुरा है, कि ईश्वर उन्हें स्वर्ग के राज्य में याद रखें?

प्रश्न:
हमारे प्रभु यीशु ने हमें वचन दिया है कि हम उनके नाम से किसी भी बात के लिए प्रार्थना करें, और वह उसे पूरा करेंगे। कहीं और वह हमें बताते हैं कि हमारी प्रार्थनाएं संतों के लिए उनकी आँखों में सुगंधित धूप की तरह हैं।
(उदाहरण के लिए, हमारे प्रिय मित्र का निधन हो गया और हम रोज़ उसकी आत्मा के लिए प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर उसे अपने स्वर्गीय राज्य में याद रखें। यह भाव हर इंसान के मन में होता है कि जब कोई करीबी चला जाता है, तो हम उसकी अगली ज़िन्दगी के लिए अच्छे भविष्य की कामना करना चाहते हैं।)
तो जब हम अपने प्रिय मृतक के लिए ईश्वर के सामने प्रार्थना करते हैं, जैसा कि कहा गया है कि “संतों की प्रार्थना सुगंधित धूप की तरह है” और हम उसे यीशु के नाम से बचाने और नरक से दूर रखने के लिए प्रार्थना करते हैं, तो इसमें कोई बुराई नहीं है।

उत्तर:

क्या हमारे पापों में मरे हुए भाइयों के लिए प्रार्थना करना
बुरा है, कि ईश्वर उन्हें स्वर्ग के राज्य में याद रखें?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

सच है, हम जानते हैं कि ईश्वर सब कुछ कर सकते हैं, लेकिन एक और गुण यह है कि वह सब कुछ नहीं करते। जैसे उसने हमें मनुष्य के रूप में बनाया, वह हमें रोबोट की तरह नहीं बनाया कि बिना मार्गदर्शन के हम कुछ नहीं कर सकते। जब उसने कहा कि उसने हमें अपनी छवि में बनाया, तो उसका मतलब सचमुच यही था। इसका मतलब है कि किसी हद तक इंसान अपने फैसले खुद कर सकता है, जैसे कि वह खुद को बना रहा हो। ईश्वर ने हमें स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता दी है। वह खुद भी, अपने पूर्ण सामर्थ्य के बावजूद, हमारे निर्णयों में हस्तक्षेप नहीं करता जब तक हम संतुष्ट हैं।

उदाहरण के लिए, अगर कोई व्यक्ति अपनी इच्छानुसार जादूगर बनने का फैसला करता है, तो ईश्वर उसे जबरदस्ती रोकते नहीं हैं। वह केवल उसे सही मार्ग दिखाने और पाप छोड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। यदि वह व्यक्ति नहीं मानता, तो ईश्वर उसे मजबूर नहीं करते। यह नियम सभी प्राणी पर लागू होता है, यहाँ तक कि शैतान और भूतों पर भी।

इसलिए हमारी प्रार्थनाएं किसी के व्यक्तिगत निर्णय को बदल नहीं सकतीं। जैसा कि ईश्वर की शक्ति किसी के निर्णय को बदलने में सक्षम नहीं है, वैसे ही हमारी प्रार्थनाएं भी सीधे किसी के पाप छोड़ने के फैसले को प्रभावित नहीं कर सकतीं। बाइबल कहती है कि ईश्वर नहीं चाहता कि कोई खो जाए, बल्कि कि सभी पश्चाताप करें: “यहोवा देर करता है, जो कहता है, ‘मैं चाहता हूँ कि कोई न खोए,

क्या हमारे पापों में मरे हुए भाइयों के लिए प्रार्थना करना
बुरा है, कि ईश्वर उन्हें स्वर्ग के राज्य में याद रखें?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

परन्तु सबको पश्चाताप का अवसर मिले’” (2 पतरस 3:9, NKJV)।

अगर कोई व्यक्ति पाप में है, तो हमारी प्रार्थनाएं सीधे उसके पाप छोड़ने के फैसले को नहीं बदलतीं। बल्कि यह पवित्र आत्मा के प्रभाव को बढ़ाती हैं। जैसे-जैसे प्रभाव बढ़ता है, व्यक्ति अपनी मर्जी से परिवर्तन का फैसला कर सकता है। यदि वह तय करता है कि वह शैतान की सेवा करेगा और ईश्वर को न अपनाएगा, तो हमारी प्रार्थना केवल उसके मन में प्रेरणा देने तक सीमित रह जाती है।

अब अगर कोई मर जाता है और नर्क चला गया है, तो स्पष्ट है कि उसने जीवित रहते हुए खुद खो जाने का रास्ता चुना। उसकी ज़िन्दगी समाप्त हो चुकी है और वह अब अपनी मर्जी से बदलाव नहीं कर सकता। ठीक वैसे ही, जो लोग न्याय में मरे हैं, वे स्वर्ग में नहीं से उतर सकते।

इसलिए हमें अपने जीवन का सदुपयोग करना चाहिए। कुछ धर्म, जैसे कि कैथोलिक चर्च, यह मानते हैं कि बुरे लोग स्वर्ग में जाने से पहले “पुनीकरण” (Purgatory) से गुजरते हैं। लेकिन यह शैतान की बड़ी भ्रांति है, लोगों को उनके पाप में सुरक्षित महसूस कराना। बाइबल स्पष्ट रूप से कहती है:

“जैसा कि मनुष्य के लिए एक बार मृत्यु निर्धारित है, और उसके

क्या हमारे पापों में मरे हुए भाइयों के लिए प्रार्थना करना
बुरा है, कि ईश्वर उन्हें स्वर्ग के राज्य में याद रखें?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

बाद न्याय है” (इब्रानियों 9:27, NKJV)

। अगर कोई मृतक पाप में मरा है, तो उसके लिए कोई आशा नहीं है।

आप सभी को ईश्वर का आशीर्वाद मिले।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp